RAMAN CANCER SOCIETY

रमन कैंसर सोसाईटी (रजिः)

गली नंः 4, **HDFC** बैंक वाली गली, माछीवाड़ा रोड़,
कोहाड़ा, जिला लुधियाना (पंजाब)

M. 98150-86107, 98150-73455
98152-58632

Website : www.ranjeetcancer.in ramancancersociety

बिमारीयो का सफल ईलाज

हैपेटाईटस A.B.C. पेट में पानी भर जाना, लीवर में सोज व्ज, च्ज का बढ़ना, भूख कम लगना, सोराईसिज लीवर, काला पीलीया के बिगड़ने से कैंसर बनना, गुर्दे में बार-बार पत्थरी होने से गुर्दे खतम होना, ब्लैड प्रैशर बढने से गुर्दे खत्म होना, हार्ट बलाकेज, साँस फुलना, सिर से पैरों तक नाडियों का बलाकेज, रेशा, अलर्जी, हर प्रकार के चमड़ी रोग सकिन, सोराईसिज, नशे के कारण सपरम सैलों का घटना, बे-ओलाद, बीर्य में पस सैलों के आधिक होने का ईलाज किया जाता है।

यहाँ पर हर प्रकार के टिऊमर, बरेन टिऊमर, हर प्रकार का कैंसर जैसे मुहँ में कैंसर, गले में कैंसर, फुड पाईप का कैंसर, मेहदे का कैंसर, लीवर का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, आँतड़ियो का कैंसर, उवरी का कैंसर, ब्रैसट कैंसर, बौन कैंसर, बोन मैरो का कैंसर हमारे द्वारा ईलाज से हर प्रकार की बिमारीयों व गुर्दे फेल, हार्ट बलाकिज कैंसर का ईलाज जड़ से खतम किया जाता है।

नोट : बिना अप्रेशन नारमिल डलिवरी (दवाई से)

रमन कैंसर कलीनिक

हर रविवार नजदीक टोल टैकस (चाँद पुराना) बाघा पुराना ! बाकी दिन कोहाड़े मिलें।

आज के टाईम में कैंसर के ईलाज पर लाखों रूपये खर्च करके भी मरीज के हाथ खाली के खाली रह जाते है। जब तक मरीज जीवित है। मरीज के कैमोथरेपी होती रहती है। आज तक कोई भी डाकटर यह नही कहता कि मरीज का कैंसर एकदम ठीक हो जायगा। आंतड़ी के कैंसर मरीज को गुप्त अंग में थैली का आप्रेशन नही करवाना चाहिए।

रमन कैंसर सोसाईटी

का फंड़ा हमारे रोजाना खाने-पीने के साथ जी आदमी के अंदर जहर जमा हो जाता है। हमारी दवा के साथ आदमी के शरीर में जहर खत्म हो जाता है। और कैंसर के सैल खत्म हो जाते है। यह दवा आम आदमी खा ले तो कैंसर होने से बचा जा सकता है। कैंसर एक ऐसी बीमारी है जोकि मरीज की अग्रेजी दवाई कैमोंथरेपी यां रेडीऐशन लेने के साथ हर बार कैंसर हो जाता है, जबकि हमारी बनी आर्युवैदिक दवाई 6 महीने खाने के साथ रोग जड़ से खत्म हो जाता है। हमारी बनी दवाई 1 महीना खाने के बाद कैंसर नहीं होगा।

नोट: यहां पर मरीजों को दाखिल करने का खास प्रबंध है।

यहां सरकारी नौकरी पेशे वाले अपने इलाज के कलेम का लाभ प्राप्त कर सकते है।

रमन कैंसर सोसाईटी (रजि:)

गली न: 4 HDFC बैंक वाली गली,
माछीवाड़ा रोड़, कोहाड़ा (लुधियाना)

Mob. 98150-86107, 98150-73455, 98152-58632

कैंसर होने के लक्षण:

आतशक सुजाक :

आतसक दो तरह की होती है। नर और मादा गुप्त अंगों पर गाठ हो जाती है और खारिश होती है। आतसक से सिर के बाल उड़ जाते है। काम करने से साँस फुल जाती है। आतसक सुजाक बिगड़ने से **50%** लोगों को एडस होने का खतरा रहता है।

कैंसर होने से कया करना चाहिए

डाकटर हरभिन्दर सिंह कोहाड़ा से आर्युवैदिक दवाई चार महीने खाकर कैंसर से छुटकारा पायें। वैद जी ने बो मरीज भी ठीक कर दिखाये है जिन को नामीहासपिटल से जवाब मिल चुका था। और घर पर सेवा करने को कहा है। उन मरीजों की टब्क फिल्म भी बनाई गई है।

कैंसर होने के लक्षण:

भोजन नली के कैंसर

1. सबसे पहले रोटी का निवाला गले से नहीं उतरता।
2. मुंह से खून आना
3. खाना हजम न होना

पेट के कैंसर

1. इस कैंसर का पता जल्दी नहीं लगता फिर भी जिसे खून की उल्टी आने लगे।
2. जिन लोगों को गैसटिक अल्सर हुआ हो तो बाद में कैंसर बन जाता है।

अंतड़ियों का कैंसर

1. गुप्त अंग से खून या पाक का आना।
2. कबज हो जाये या बार-बार दसत लग जाना।
3. गुप्त अंग में फूंसी होना।
4. पुरानी बवासीर से कैंसर हो जाता है।

अंडेदानी का कैंसर

1. पेट फूल जाता है।
2. पेट में पानी भर जाता है।
3. भूख ना लगना।
4. पेट में गोला बनना।

प्रजनन अंगो का कैंसर

1. बच्चेदानी के मुँह का कैंसर।
2. अधिक बच्चे होना।
3. जिसके कई गर्भपात हो चूके हो।
4. जो सफाई का ध्यान न रखती हो।
5. महावारी दौरान लाल रंग का पानी।
6. पती के साथ सहवास के बाद खून पैना।
7. बदबूदार गंदा पानी पैना।
8. महीना कम-ज्यादा आना।

कैंसर होने के लक्षण:

बच्चेदानी का कैंसर

1. जिसको गुप्त अंगों से खुन आता हो।
2. जिसके फैमली केस में यह कैंसर होया हो।
3. यह कैंसर 40 साल के बाद होता है।

जिगर का कैंसर

यह उन लोगों मे ज्यादा होता है जो शराब का ज्यादा मात्रा में सेवन करते है। उन का जिगर खराब हो कर पीलिया हो जाता है और बाद में काला पीलिया हो जाता है।

छाती का कैंसर :

1. छाती में छोटी गाँठ से शुरू हो कर दुध में फैल जाता है।
2. निपल में लाल तरल निकलना।
3. निपल छोटा हो जाना।

प्रोसटैट का कैंसर :

यह कैंसर आम करके आदमीयों को होता है और यह 50 साल के बाद होता है।

1. कमर में दर्द होना।
2. टाँगों में दर्द होना।
3. नीद न आना।
4. PSA बढ़ जाना।

चोट का कैंसर :

यह किसी भी पुरानी चोट से कैंसर बन जाता है।

कैंसर के मुख्य कारण :

प्रदुशित वातावरन, तबाकू की ज्यादा इसतेमाल करना, प्रदुशित पानी, रसाईनिक खादों की ज्यादा इस्तेमाल करना, कीड़ेमार दवाईयों की ज्यादा इस्तेमाल करना

कैंसर की आखिरी स्टेज में ठीक हुँए मरीजों का विवरण

सुरिंदर कुमार
रेलवे कुआटर फिरोजपुर

बिटू गाँव अमरोहा
(उत्तर प्रदेश)

हरविंदर कौर
गाँव संधेरा सोधियां
जिला हुशयारपुर

चन्द सिंह
गाँव यामीया कला
(हुशयारपुर)

किशौरी लाल
गली नं: 11, हाउस न: 80247
चन्दन विहार दिल्ली

लखविंदर सिंह
गाँव भैणी राम दयाल
(अमृतसर)

निर्मल कौर
(गांव मुंडी खरड़)

सुबेदार जोगिन्दर सिंह
गाँव मनको (जलंधर)

सुँचा सिंह फौजी
गाँव नंगल (जलंधर)

सुनीता रानी
(पत्नी मिलावा सिंह)
गाँव हसर (हरियाणा)

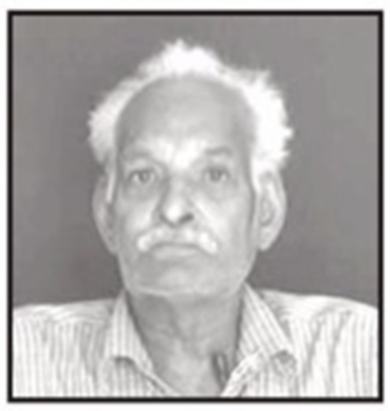

सुरजीत सिंह
गाँव महिलां वाली
(हुशियारपुर)

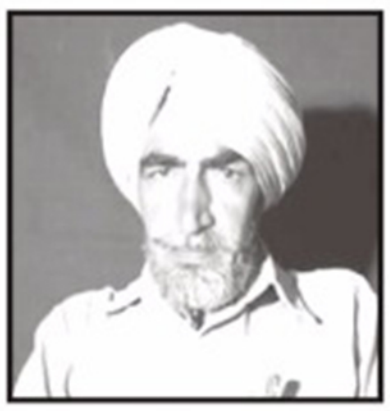

तलोक सिंह हथोआ
मलेरकोटला

1) इंदरजीत सिंह मुहँला हरीपुरा गली नं: 17 अमृतसर जिसको अमृतसर PGI से बल्ँड कैंसर होने के कारण जवाब मिल गया था 100% ठीक किया गया। 2) सरभजीत कौर पत्नी नाजर सिंह गाँव सोंसपुर खमानों अमरजीत मंगली प्रैस रिपार्ट की बहन को चंडीगढ़ से जवाब मिल गया था 100% ठीक किया गया। 3) लाभ सिंह गाँव कुलां जिला फतियाबाद (हरियाणा) जिसे पेट का कैंसर था 100% ठीक किया। 4) सरबजीत कौर पत्नी हरदेव सिंह गाँव सलेमपुरा सिंधवां बेट 100% ठीक किया गया।

कैंसर की आखिरी स्टेज में ठीक हुँए मरीजों का विवरण

इंदरजीत सिंह
(अमृतसर)

वरिंदर सिंह
गाँव संधेरा सोढ़िया
जिला होशियार पुर

बग्गा सिंह
(जम्मू बस्ती)
अबोहर

नछत्तर कौर
(पत्नी गुरमीत सिंह
गाँव टप्परीयां (रोपड़)

बलवंत सिंह कबड़िया
दोलतपुर नीवा
(मोगा)

भजन सिंह हथोया
(मलेर कोटला)

वीरवान शर्म
गाँव पाडला
जिला कैथल

ईश्वर पटवारी
गाँव दिलां वाली (कैथल)
हरियाणा

जसवीर सिंह
(खन्ना)

जसविंदर कौर
जतेनपुरा (जगराओ)

बलजीत कौर
गाँव राजगड

कमल सोनी
गाँव समूँदडा (गडशंकर)

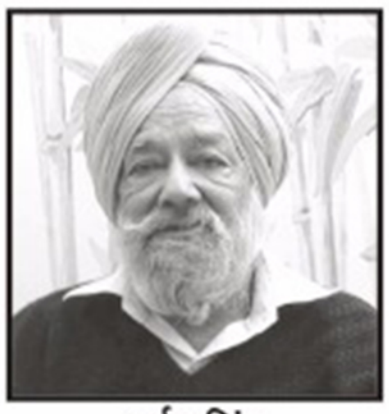

दर्शन सिंह
गाँव वडुर (तहसील आनंदपुर)
जिला रोपड़

करनैल सिंह
(गांव कोठे खजूरा)
जगराओं

कुलविंदर सिंह
लापरां (राडा साहिब)

नीलम (पत्नी सुबा सिंह)
गाँव आलेवाल
फिरोजपुर

अमर सिंह
(गुरदासपुर)

अमरजीत कौर
गाँव चँकमाफी खन्ना

सुखविंदर सिंह पटवारी
गाँव गुंमटी कला (फूला)

बलदेव सिंह
गाँव नसीरे वाला (जगराओं)